

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू की राजभाषा समिति के तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई

जम्मू, १५ मार्च २०२४ - भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) जम्मू ने संस्थान में राजभाषा के उपयोग और प्रचार को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। १५ मार्च २०२४ को आयोजित इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, अधिकारी गण और कर्मचारी गणों की उत्साही और सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इस अवसर पर निदेशक महोदय प्रोफेसर बी एस सहाय, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रोफेसर जबीर अली, राजभाषा समिति की उपाध्यक्ष डॉ अनुजा अखौरी, राजभाषा समिति के समस्त सदस्य, संकाय सदस्य, अधिकारी गण और कर्मचारी गण उपस्थित थे।

इस आयोजन की शुरुआत संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कमांडर केसवन भास्करन (रि.) और राजभाषा अधिकारी श्री अभय कुमार अवस्थी के स्वागत सम्बोधन के साथ हुई। तत्पश्चात संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी श्री शालीन .यस .नायर द्वारा मुख्य अतिथि का परिचय एवं आधिकारिक अभिवादन किया गया।

कार्यशाला का उद्देश्य आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी की दक्षता और समझ को बढ़ाना था, यह कार्यशाला भाषाई विविधता और समावेशिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। संस्थान के सभी हितधारक, हिंदी भाषा कौशल, संचार और इसके सांस्कृतिक महत्व की सराहना में सुधार के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न सत्रों में सक्रिय रूप से शामिल हुए।

भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री देवानंद दास की प्रस्तुति ने इस अवसर को महत्वपूर्णता प्रदान की। उनके दृष्टिकोण और प्रोत्साहन ने प्रतिभागियों को हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाने की यात्रा में मूल्यवान प्रेरणा प्रदान की। श्री देवानंद दास जी ने जोर दिया कि भाषा सिर्फ संचार का एक उपकरण नहीं है; यह हमारी सांस्कृतिक पहचान का सार है। उन्होंने संस्थान को इस स्तर की कार्यशाला का आयोजन करने के लिए बधाई दी और भाषा के प्रचार के लिए जारी प्रयासों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने हिंदी राजभाषा को अधिक प्रभावी रूप से शामिल करने के लिए विभिन्न सरल तरीकों की सिफारिश की, जिसमें मातृभाषा या हिंदी भाषा में शिक्षा पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन भी शामिल हैं। उन्होंने विभिन्न दृष्टिकोणों पर मार्गदर्शन प्रदान किया और दैनिक जीवन में हिंदी भाषा का प्रचार करने के नए तरीके सुझाए। उन्होंने कहा कि आईआईएम जम्मू द्वारा हिंदी राजभाषा को प्रोत्साहित करने के प्रयास प्रशंसनीय हैं और हमारी भाषाई विरासत को संरक्षित रखने की प्रतिबद्धता का परिचायक हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) जम्मू के निदेशक प्रोफेसर बी एस सहाय ने भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी के महत्व को बताया। उन्होंने बताया कि यह भाषा भारत की एकता को बचाने और बढ़ावा देने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के विकास में हिंदी साहित्य के अमूल्य योगदान को भी उजागर किया। आईआईएम जम्मू के सभी सदस्यों को अपने आधिकारिक काम में हिंदी को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने भाषाई विरासत और आधुनिक युग की मांगों के बीच संतुलन की महत्वता पर जोर दिया। उन्होंने दोहराया कि भाषा सिर्फ संचार का एक साधन नहीं है, बल्कि हमारी पहचान और विरासत की अभिव्यक्ति भी है। उन्होंने संस्थान की भाषा को राजभाषा के रूप में प्रोत्साहित करने और आईआईएम जम्मू के

भीतर एक बहुभाषी वातावरण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि की। उन्होंने शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान के हालिया दौरों के दौरान जोर दिया कि उनका भाषण हिंदी में दिया गया था, भाषा के महत्व को जोर देने के लिए। उन्होंने एक टेबल सम्मेलन के विचार की प्रशंसा की और मुख्य अतिथि को आईआईएम जम्मू परिवार को प्रेरित करने और उन्हें अपने दैनिक जीवन में हिंदी को शामिल करने के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया।

कार्यशाला का समापन संस्थान के वित्त एवं लेखा अधिकारी, सी.ए. परमजीत सिंह बक्शी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। इस कार्यक्रम का संचालन भारतीय प्रबंधन संस्थान जम्मू के राजभाषा अधिकारी श्री अभय कुमार अवस्थी द्वारा किया गया, जो भाषा संवर्धन और सांस्कृतिक एकीकरण के प्रति उनके समर्पण को प्रदर्शित करता है। जैसे-जैसे भारत अधिक भाषाई समावेशिता की ओर आगे बढ़ रहा है, इस तरह की पहल क्षेत्रीय भाषाओं के महत्व को मजबूत करने और सांस्कृतिक गौरव और एकता की गहरी भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

Press Release

IIM Jammu Organizes One-Day Workshop to Promote Hindi Rajbhasha

Jammu, March 15, 2024 – The Indian Institute of Management (IIM) Jammu organized a one-day workshop dedicated to fostering the use and promotion of Hindi Rajbhasha within the institution. The event, held on March 15, 2024, saw enthusiastic and active participation from faculty, officers, and staff members alike. Present on the occasion were Prof. Jabir Ali, Dean Academics, Dr. Anuja Akhouri, Chairperson Corporate Communications and Co-Chairperson, Hindi Rajbhasha, IIM Jammu, Shri Shailesh Lohiya, Librarian, IIM Jammu, Shri Rajat Jain, FCAO, IIM Jammu.

The event commenced with the welcome by Cmdr. Kesavan Baskaran, Chief Administrative Officer and Shri Abhay Awasthi, Hindi Rajbhasha Adhikari, IIM Jammu followed by the introduction of the Chief Guest by Shalin Sasidharan Nair, AO-PR & Admin. The workshop, aimed at enhancing proficiency and understanding of Hindi as the official language, was a significant step towards promoting linguistic diversity and inclusivity. Attendees actively engaged in various sessions designed to improve Hindi language skills, communication, and appreciation of its cultural significance.

The distinguished presence of Shri Devanand Das, Senior Translation Officer from the Ministry of Education, Government of India, as the Chief Guest, added great significance to the occasion. His insights and encouragement provided valuable motivation to the participants in their journey towards embracing Hindi as a Rajbhasha.

Chief Guest Shri Devanand Das, Ministry of Education, Government of India, who joined online emphasized that language is not merely a tool for communication; it is the essence of our cultural identity. He congratulated the institute for organizing this insightful workshop and encouraged continued efforts towards language promotion. He suggested various simple methods to incorporate Hindi Rajbhasha more effectively, including the implementation of the National Education Policy 2020, which emphasizes learning in the mother tongue or Hindi language. He provided guidance on different approaches and suggested innovative ways to promote the use of Hindi language in daily life. He mentioned that the efforts made by IIM Jammu in promoting Hindi Rajbhasha are commendable and reflect a commitment to preserving our linguistic heritage.

Speaking on the occasion, Prof. B.S. Sahay, Director of IIM Jammu, underscored the significance of Hindi as the Official Language of India. He elaborated on how this language has played a pivotal role in preserving and promoting the unity of India while nurturing the country's rich culture. He also highlighted the invaluable contributions of Hindi literature to the development of Indian culture. Encouraging all members of IIM Jammu to integrate Hindi into their daily official work, he emphasized the importance of striking a balance between our linguistic heritage and the demands of the modern age. He mentioned that language is not merely a means of communication but also a reflection of our identity and heritage. He reiterated the institution's commitment to promoting Hindi as a Rajbhasha and fostering a multilingual environment within IIM Jammu. He mentioned that during the recent visit of the Hon'ble Union Minister of Education, Shri Dharmendra Pradhan, his speech was delivered in Hindi, emphasizing the importance of the language. He expressed his appreciation for the idea of a table conference and thanked the Chief Guest for motivating the IIM Jammu fraternity and providing them with a clear roadmap for incorporating Hindi into their daily lives.

The event culminated with the vote of thanks by Paramjeet Singh Bakshi, FAO, IIM Jammu. The event was meticulously coordinated by the Hindi Rajbhasha Committee at IIM Jammu, demonstrating their dedication towards language promotion and cultural integration. As India progresses towards greater linguistic inclusivity, initiatives such as these play a pivotal role in reinforcing the importance of regional languages and fostering a deeper sense of cultural pride and unity.



: pro@iimj.ac.in



: +91-8000121616

Glimpses from IIM Jammu One Day Hindi Rajbhasha Workshop

The screenshot shows a Zoom meeting interface. At the top, the name "Devanand Das (Presenting)" is visible. The main window displays a presentation slide with the following text:

भारत के संविधान में राजभाषा से संबंधित
सांविधिक उपबंध

प्रस्तुति

देवानंद दास
वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी,
शिक्षा मंत्रालय
मो-90154-68648, 95551-86863

Below the slide, a gallery of participants is shown, including:

- अभय कुमार अवस्...
- Devanand Das
- Chief Admin O...
- Shailesh K Lohi...
- Sudip Das
- Lower Divison ...
- Vivek Sharma
- Roshan Kumar ...
- 17 others
- Public Relation...



Devanand Das (Presenting)

Home | OI Policy...14.03.2024

Home Insert Design Transitions Animation Slide Show Review View Tools

Format Painter | From Current Slide | New Slide | Layout | Section | B | I | U | A | S | X | P | T | R | E | L | T | X | B | X | A | R | R | A | N | G | E | Q | F | I | N | D | S | H | A | P | E | S | P | I | C | T | U | R | E | T | E | X | T | B | O | X | A | R | R | A | N | G | E | S | E | L | E | C | T | S | T | U | D | E | N | T | T | O | O | L | S | S | E | T | T | I | N | G | S

Outline Slides

41 | 42 | 43 | 44

हिंदी के प्रति हीन भावना की मानसिकता

हिंदी के प्रति हीन भावन क्यों

- विश्व की दूसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा
- भारत और विश्व के करोड़ों लोग हिंदी बोलते, पढ़ते और लिखते हैं
- हमारे देश की राजभाषा है
- हमारे देश की संपर्क भाषा है
- हमारे देश की मनोरंजन की भाषा है
- हमारे देश की व्यापार की भाषा है
- फिर ऐसी समृद्ध, समृद्ध, और वैज्ञानिक भाषा को अपमान में हीन भावना या हिचक क्यों?

Slide 42 / 48 | Font Missing

3:46 PM | qkd-apft-xfb

अमर कुमार अवस्थी... | Devanand Das | Chief Admin Off... | Shallesh K Lohiya | Sudip Das | Lower Divison CL... | Vivek Sharma | Roshan Kumar M... | Ruchi Kumar (Gr... | PHD Office | Anuja Akhouri | Office Assistant ... | IIM Jammu | FA - CAO | 15 others | Public Relations IIM Jam...

Devanand Das (Presenting)

Home | OI Policy...14.03.2024

Home Insert Design Transitions Animation Slide Show Review View Tools

Format Painter | From Current Slide | New Slide | Layout | Section | B | I | U | A | S | X | P | T | R | E | L | T | X | B | X | A | R | R | A | N | G | E | Q | F | I | N | D | S | H | A | P | E | S | P | I | C | T | U | R | E | T | E | X | T | B | O | X | A | R | R | A | N | G | E | S | E | L | E | C | T | S | T | U | D | E | N | T | T | O | O | L | S | S | E | T | T | I | N | G | S

Outline Slides

2 | 3 | 4 | 5

धन्यवाद

Slide 33 / 48 | Font Missing

4:03 PM | qkd-apft-xfb

अमर कुमार अवस्थी... | Devanand Das | Lakhbir Singh | Shallesh K Lohiya | Sudip Das | Lower Divison CL... | Rupali Jarwal... | Badal Heer | Ruchi Kumar (Gr... | Placement Office | Garima Kushwah... | Office Assistant ... | PHD Office | Samjeet Singh | 8 others | Public Relations IIM Jam...